सत्यमेव जयते

असंशोधित

बिहार विधान–सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

02 दिसम्बर, 2025

बिहार विधान सभा सचिवालय,

पटना ।

अष्टादश विधान सभा | मंगलवार, तिथि 02 दिसम्बर, 2025 ई0
प्रथम सत्र | 11 अग्रहायण, 1947 (शक)

(कार्यवाही प्रारम्भ होने का समय – 11:00 बजे पूर्वाह्न)
(इस अवसर पर माननीय अस्थायी अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

अस्थायी अध्यक्ष : सभा की कार्यवाही प्रारम्भ की जाती है ।

जो माननीय सदस्य अभी तक शपथ या प्रतिज्ञान नहीं किये हैं उनका नाम सभा सचिव पुकारेंगी।

माननीय सदस्यगण, शपथ और प्रतिज्ञान की प्रतियां हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू एवं मैथिली में हैं और आपके सामने रखी हुई हैं। आपकी जैसी रूचि हो उस भाषा में शपथ या प्रतिज्ञान ले सकते हैं। जब आप पुकारे जायें तब आपको अपनी रूचि की भाषा में शपथ या प्रतिज्ञान लेना है। सामने मेज पर रजिस्टर है, उसमें आपको हस्ताक्षर करना है। माननीय सदस्यों के नाम सभा सचिव द्वारा पुकारे जायेंगे और वह अपने स्थान से ही शपथ पत्र पढ़कर मेज पर रखे रजिस्टर में हस्ताक्षर करेंगे और मुझसे मिलकर स्थान ग्रहण करेंगे।

अब सभा सचिव नाम पुकारें।

सभा सचिव :

निर्वाचन क्षेत्र सं0 एवं नाम	माननीय सदस्य का नाम	शपथ / प्रतिज्ञान
85–बहादुरपुर	श्री मदन सहनी	शपथ
05–लौरिया	श्री विनय बिहारी	प्रतिज्ञान
87–जाले	श्री जिवेश कुमार	शपथ (संस्कृत)
102–कुचायकोट	श्री अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय	(अनुपस्थित)
115–बनियापुर	श्री केदार नाथ सिंह	शपथ
172–बिहार शरीफ	डॉ0 सुनील कुमार	शपथ
178–मोकामा	श्री अनंत कुमार सिंह	(अनुपस्थित)

अस्थायी अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, सदन में दो माननीय सदस्य आज शपथ ग्रहण नहीं कर सके हैं।

माननीय सदस्यगण, अब अध्यक्ष के निर्वाचन का कार्यक्रम प्रारंभ किया जाता है। सभा सचिव माननीय राज्यपाल महोदय के आदेश को पढ़ेंगी।

सभा सचिव ।

सभा सचिव : माननीय राज्यपाल से प्राप्त आदेश को मैं पढ़ती हूं।

''बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 9(1) के अनुसार, मैं, आरिफ मोहम्मद खां, बिहार का राज्यपाल, इसके द्वारा बिहार विधान सभा के अध्यक्ष के चुनाव के लिये दिनांक–02.12.2025 की तिथि निर्धारित करता हूं।

पटना — आरिफ मोहम्मद खां

दिनांक–25.11.2025 — राज्यपाल, बिहार।''

अस्थायी अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अध्यक्ष के निर्वाचन के संबंध में बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली में जो प्रावधान है, जो मत विभाजन की प्रक्रिया है उसे सभा सचिव पढ़कर सुनायेंगी।
सभा सचिव।

सभा सचिव : बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली का नियम 9 जो अध्यक्ष के निर्वाचन से संबंधित है वह इस प्रकार है :–

''नियम–9 के उप नियम–1 : अध्यक्ष का निर्वाचन उस तिथि को होगा जो राज्यपाल नियत करेंगे और सचिव उस तिथि की सूचना हर सदस्य को भेजेंगे।''

''उप नियम–2 : इस प्रकार नियत तिथि के पूर्व दिन मध्याह्न से पहले किसी समय कोई सदस्य सचिव को सम्बोधित करते हुए इस आशय के प्रस्ताव की लिखित सूचना दे सकेंगे कि कोई दूसरे सदस्य सदन के अध्यक्ष चुने जायें। यह सूचना किसी तीसरे सदस्य द्वारा अनुमोदित होगी और सूचना में जिन सदस्य का नाम प्रस्तावित हो उनका यह वक्तव्य भी साथ रहेगा कि निर्वाचित होने पर वे अध्यक्ष के रूप में कार्य करने को राजी हैं परंतु कोई सदस्य न तो अपना नाम प्रस्थापित करेंगे, न अपना नाम प्रस्थापित करने वाले किसी प्रस्ताव का अनुमोदन करेंगे और न एक से अधिक प्रस्तावों की प्रस्थापना या अनुमोदन करेंगे।''

''उप नियम–3 : जिन सदस्य के नाम पर कार्यसूची में कोई प्रस्ताव हो, वे पुकारे जाने पर प्रस्ताव करेंगे या उस प्रस्ताव को वापस लेंगे और इस आशय के वक्तव्य मात्र तक अपने को सीमित रखेंगे परंतु उम्मीदवार उस प्रस्ताव पर मत लिये जाने के पहले किसी समय अपना नाम वापस ले सकेंगे।''

टर्न–2/संगीता/02.12.2025

(क्रमशः)

''उप नियम–4 : इस प्रकार किये गये और यथावत् अनुमोदित प्रस्ताव जिस क्रम से वे किये गये हों, उसी क्रम से एक–एक करके मत के लिए रखे जायेंगे और यदि आवश्यक हो तो विभाजन द्वारा उनका निर्णय होगा । यदि कोई प्रस्ताव

स्वीकृत हो जाए तो अध्यासी व्यक्ति बाद के प्रस्ताव रखे बिना घोषित करेंगे कि स्वीकृत प्रस्ताव में प्रस्थापित सदस्य सदन के अध्यक्ष चुन लिये गए हैं । अब नियम 56 को मैं पढ़ती हूं जो विभाजन के संबंध में है ।

विभाजन की प्रक्रिया ''नियम 56 का उप नियम (1) किसी प्रस्ताव पर वाद–विवाद समाप्त हो जाने पर अध्यक्ष प्रश्न रखेंगे कि जो कि प्रस्ताव के पक्ष में हों वे ''हाँ'' कहें और जो इसके विपक्ष में हों वे ''ना'' कहें । तब अध्यक्ष यह घोषित करेंगे कि उनकी राय में ''हाँ'' के पक्ष में बहुमत है या ''ना'' के पक्ष में ।

''उप नियम–2 : किसी प्रश्न के निर्णय के संबंध में अध्यक्ष की राय पर आपत्ति करने वाले कोई सदस्य विभाजन की मांग कर सकेंगे परन्तु कोई सदस्य ऐसे विभाजन की मांग न करेंगे, जब तक कि उन्होंने अध्यक्ष द्वारा यथाघोषित बहुमत के विरूद्ध मौखिक मत न दिया हो । ''

''उप नियम–3 : विभाजन की मांग होते ही अध्यक्ष, यदि उनकी राय में विभाजन की मांग आवश्यक न हो तो, सचिव को तीन मिनट तक विभाजन की घंटी बजाने का निर्देश देंगे और उसके समाप्त होने पर उपवेश्मों में से सभावेश्म में आने के सभी द्वार बंद कर दिये जाएंगे । जब तक विभाजन समाप्त न हो जाय तब तक किन्हीं सदस्य को सभावेश्म के भीतर आने या उसके बाहर जाने न दिया जाएगा ।''

''उप नियम–4 : द्वार बन्द हो जाने पर अध्यक्ष फिर प्रश्न रखेंगे और यदि उप–नियम (2) में विहित रीति से फिर विभाजन की मांग की जाये तो विभाजन द्वारा मत लिया जाएगा और अध्यक्ष यह अवधारित करेंगे कि विभाजन द्वारा मत किस पद्धति से लिया जाये । यथा सदस्यों को विभाजित होकर उपवेश्मों में जाने के लिए कहकर या मत गिनने के प्रयोजन से उन्हें अपने–अपने स्थान पर खड़े होने के लिए कहकर या अन्यथा किन्हीं दूसरी बार प्रश्न रखे जाने के समय जो सदस्य सदन में उपस्थित न रहे हों, वे मत देने के हकदार न होंगे । यदि अध्यक्ष ''हाँ'' पक्ष वालों और ''ना'' पक्ष वालों को उपवेश्मों में जाने का निर्देश दें तो वे हर पक्ष के लिए दो या दो से अधिक गणक नियुक्त कर सकेंगे । ''

''उप नियम–5 : जो सदस्य यथास्थिति ''हाँ'' पक्ष में या ''ना'' पक्ष में अपना मौखिक मत दे चुके हों, उन्हें विभाजन होने पर विरूद्ध विचार वाले पक्ष के साथ मत देने की स्वतंत्रता न होगी ।''

''उप नियम–6 अध्यक्ष को प्रतिवेदित मत संख्या के बारे में यदि कोई गड़बड़ या भूल हो तो अध्यक्ष यथोचित निर्देश दे सकेंगे । ''

''उप नियम–7 : यदि सदन में विभाजन का परिणाम घोषित हो जाने के बाद विभाजन सूचियों में कोई भूल दिखाई पड़े तो अध्यक्ष इस विषय में समाधान हो जाने पर कि भूल वास्तविक है उसे सुधारने का आदेश दे सकेंगे । ''

''उप नियम–8 : अध्यक्ष सभा को विभाजित होने के लिए कहें, उसके पहले किसी समय किसी नकारात्मक आवाज के बिना दी गई सभा की अनुमति से विभाजन की मांग वापस ली जा सकेगी । ऐसा होने पर विभाजन न किया जाएगा और अध्यक्ष के जिस निर्णय पर आपत्ति की गई हो, वह बना रहेगा ।

अस्थायी अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, आसन को अध्यक्ष के निर्वाचन के लिए कुल–4 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, सभी प्रस्ताव एक ही माननीय सदस्य, श्री प्रेम कुमार के अध्यक्ष चुने जाने के संबंध में प्राप्त हुए हैं ।

संख्या	प्रस्तावक का नाम	अनुमोदनकर्ता का नाम	प्रस्ताव
1	श्री सम्राट चौधरी स0वि0स0	श्री विजय कुमार चौधरी स0वि0स0	श्री प्रेम कुमार, स0वि0स0 के पक्ष में ।
2	श्री विजय कुमार सिन्हा स0वि0स0	श्री संजय कुमार स0वि0स0	श्री प्रेम कुमार, स0वि0स0 के पक्ष में ।
3	श्री श्रवण कुमार स0वि0स0	श्री मंगल पांडे स0वि0स0	श्री प्रेम कुमार, स0वि0स0 के पक्ष में ।
4	श्री संजय सरावगी स0वि0स0	श्री संजय कुमार सिंह स0वि0स0	श्री प्रेम कुमार, स0वि0स0 के पक्ष में ।

जितने प्रस्ताव हैं और उनके जो अनुमोदनकर्ता हैं सभी प्रस्तावक, अनुमोदनकर्ता, शपथ या प्रतिज्ञान कर लिये हैं और सभी प्रस्ताव नियमानुकूल हैं । चूंकि श्री सम्राट चौधरी, माननीय उप मुख्यमंत्री जी ने जो प्रस्ताव दिया है आसन को वह पहले प्राप्त हुआ है इसलिए मैं इन्हें प्राथमिकता देता हूं । श्री सम्राट चौधरी जी, माननीय उप मुख्यमंत्री अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करें ।

श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि श्री प्रेम कुमार, स0वि0स0 बिहार विधान सभा अध्यक्ष चुने जायें ।

अस्थायी अध्यक्ष : श्री विजय कुमार चौधरी, माननीय मंत्री ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : महोदय, माननीय उप मुख्यमंत्री जी ने जो प्रस्ताव दिया है, मैं उसका अनुमोदन करता हूं ।

अस्थायी अध्यक्ष : प्रश्न यह है कि

''श्री प्रेम कुमार, स0वि0स0 बिहार विधान सभा अध्यक्ष चुने जायें ।''

यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ ।

श्री प्रेम कुमार, स0वि0स0 सर्वसम्मति से बिहार विधान सभा के अध्यक्ष निर्वाचित हुए ।

अब मैं माननीय मुख्यमंत्री महोदय और माननीय सदस्य श्री तेजस्वी प्रसाद यादव जी से आग्रह करता हूं कि माननीय अध्यक्ष महोदय को आसन तक लाने की कृपा करें ।

(इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री एवं माननीय सदस्य श्री तेजस्वी प्रसाद यादव द्वारा माननीय अध्यक्ष महोदय को आसन तक लाया गया एवं माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

अध्यक्ष : माननीय मुख्यमंत्री जी ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : माननीय नवनिर्वाचित अध्यक्ष महोदय को मैं बधाई देता हूं, बहुत खुशी की बात है कि आज डॉ0 प्रेम कुमार जी को बिहार विधान सभा का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है, मैं पूरे सदन की ओर से उनका अभिनन्दन करता हूं । मैं सभी दल के नेताओं और सदस्यों को अध्यक्ष के निर्विरोध निर्वाचन में सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूं । मैं सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को भी बधाई देता हूं ।

(क्रमशः)

टर्न–3 / यानपति / 02.12.2025

(क्रमशः)

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : माननीय अध्यक्ष डॉ0 प्रेम कुमार जी शुरू से ही मंत्री के रूप में बहुत अच्छा काम करते रहे हैं और उनका बहुत लंबा अनुभव है । मैं सभी माननीय सदस्यों से अनुरोध करता हूं कि सदन के संचालन में माननीय अध्यक्ष महोदय का पूरा सहयोग करेंगे । मैं एक बार फिर से अध्यक्ष महोदय को बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं । मैं तो अनुरोध करूंगा कि जरा एक बार खड़ा होकर के इनको प्रणाम करते हैं, सब कर दीजिए । ठीक है, प्रणाम । धन्यवाद ।

अध्यक्ष : माननीय उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी जी ।

श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं सर्वप्रथम पूरे एन0डी0ए0 की ओर से अध्यक्ष चुने जाने के लिए आपको बधाई देता हूं और आप लंबे समय से गयाजी का प्रतिनिधित्व करते हुए और 1990 से लेकर, आप और बिजेन्द्र बाबू दो ही सदस्य ऐसे हैं जो लगातार 1990 से लेकर 2025 तक लगातार सदन में रहे और जिस सरलता के साथ आपने अपने जीवन को जीने का काम किया है, सभी, एक कार्यकर्ता के भाव के तौर पर भी, भारतीय जनता पार्टी के सदस्य के तौर पर आपने लंबे समय से काम किया है, मैं पूरे एन0डी0ए0, भारतीय जनता पार्टी और पूरे विधान सभा की तरफ से, विधान सभा के सभी सदस्यों की तरफ से आपको बधाई देता हूं और आपके माध्यम से जरूर है कि सरकार को भी न्याय मिलेगा

और विपक्ष को भी न्याय मिलेगा । सब अनुभव आपके साथ है, विरोधी दल के नेता के तौर पर भी आपने काम किया है और पार्टी में भी, संगठन की संरचना में भी आपने लगातार काम किया है इसलिए मैं पूर्ण रूप से, पूरे बिहारवासियों की तरफ से अध्यक्ष चुने जाने के लिए आपको बधाई देता हूं । धन्यवाद ।

अध्यक्ष : माननीय उप मुख्यमंत्री, श्री विजय कुमार सिन्हा जी ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, उप मुख्यमंत्री : अध्यक्ष महोदय, अनुभव की बड़ी किताब आज इस पवित्र आसन पर बैठा है, पूरा सदन गौरवान्वित है । मैं आपको हृदय से आभार व्यक्त करता हूं । आपके अनुभव और इस सदन की गरिमा में निश्चित तौर पर एक इतिहास रचेगा । सभी की अपेक्षाओं, आकांक्षाओं पर यह आसन खरा उतरेगा। आसन की मर्यादा और सदन की गरिमा की पवित्रता और बेहतर बनेगी । इस सदन ने कई इतिहास को रचा है । बिहार के माननीय मुख्यमंत्री जी इस सदन और इस बिहार को जो गौरवान्वित किए हैं, इस सदन से हमारे सभी माननीय सदस्य को भी खासकर के जो नए सदस्य आए हैं वह आपके अनुभव से लाभान्वित होंगे, गौरवान्वित होंगे और हमारा हर बिहारी फिर से अपने गौरवान्वित इतिहास की ओर कदम बढ़ाएगा । हमारी शुभकामना सभी के उज्ज्वल भविष्य के लिए । बहुत–बहुत धन्यवाद ।

अध्यक्ष : माननीय संसदीय कार्य मंत्री, श्री विजय कुमार चौधरी जी ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, आपके सर्वसम्मति से निर्वाचन के बाद आपके संबंध में हमारे नेता माननीय मुख्यमंत्री जी ने और दोनों उप मुख्यमंत्रियों ने जो भावनाएं व्यक्त की हैं मैं भी उनकी भावना से अपनी भावना को जोड़ते हुए आज के प्रसंग में जो एक बात याद आ रही है मुझे कि ठीक आज से 10 साल पहले यानी आज 2 दिसंबर, 2025 है और 10 साल पहले 2 दिसंबर, 2015 को माननीय मुख्यमंत्री जी की पहल पर मुझे भी इसी सदन ने निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित किया था और संयोग है कि आप उस समय नेता प्रतिपक्ष थे और मुख्यमंत्री जी ने और आपने ही मुझे जिस तरीके से आज आपको साथ लेकर गए थे दोनों, आप दोनों ने साथ ले जाकर मुझे उस आसन पर बैठाया था इसलिए मेरे लिए तो विशेष प्रसन्नता का दिन है कि 2 दिसंबर को मैं भी अध्यक्ष रहा, आप भी आज अध्यक्ष पद पर आसीन हो रहे हैं और उसी में महोदय जो मेरा कार्य अनुभव रहा और उस काल में आज बहुत सारे, बहुतेरे सदस्य हैं तो उनको मैं धन्यवाद देता हूं और आपको शुभकामनाएं देता हूं । आप तो महोदय स्वनाम धन्य हैं, प्रेम हैं, आप प्रेम हैं और कबीर दास जी ने प्रेम के बारे में क्या कहा है कि

"प्रेम न बाड़ी उपजे, प्रेम न हाट बिकाई
राजा प्रजा जेहि रुचे, सीस देहि ले जाई ।"

तो आप तो महोदय ऐसे ही प्रेम के अवतार हैं और आप जब आसन पर आ गए हैं तो इस आशा के साथ कि आपके पूरे कार्यकाल में इस सदन पर और सभी माननीय सदस्यों पर प्रेम की बरसात होती रहेगी, इन्हीं शुभकामनाओं के साथ मैं आपको फिर से मुबारकबाद देता हूं ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, श्री तेजस्वी प्रसाद यादव जी ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव,स0वि0स0 : अध्यक्ष महोदय, आपको सबसे पहले बधाई देना चाहते हैं, शुभकामनाएं देना चाहते हैं, अपने दल की तरफ से, अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय लालू प्रसाद यादव जी की तरफ से और सभी महागठबंधन की तरफ से, सभी बिहारवासियों की तरफ से कि सर्वसम्मति से आपको चुना गया है और मुझे पूरा विश्वास है कि आप जिस धरती से आते हैं, ज्ञान और मोक्ष की धरती से आते हैं, भगवान विष्णु और बुद्ध की धरती से आते हैं, हम उस धरती को भी नमन करते हैं और आपसे यही उम्मीद रहेगी कि आप सत्ता पक्ष के साथ–साथ विपक्ष को भी साथ लेकर के चलेंगे, निष्पक्ष होकर के आप नियमावली के अनुसार, नियम के तहत आप अपनी जिम्मेदारियों को निभाइयेगा । आपका लंबा अनुभव रहा है राजनीतिक जीवन में, सामाजिक जीवन में, आपने हमेशा से जनता की आवाज उठाई है, आपने मंत्री के रूप में काम किया है, विरोधी दल के नेता के रूप में भी काम किया है और एक नई जिम्मेवारी आपको दी गई है और हम सब लोगों को भरोसा है कि उस जिम्मेवारी को आप बखूबी निभाते हुए किसी को भी निराश नहीं करेंगे और हम सब नए सदस्यों की भी जिम्मेवारी है कि आपको भी हमलोग मिलकर निराश न करें बल्कि जब भी विपक्ष की आपको जरूरत हो या सहयोग हो तो पूरा विपक्ष आपके साथ महोदय खड़ा रहने का काम करेगा और वहां लिखा भी है संसदीय लोकतंत्र में विरोधी दल सरकार का ही अंग माना जाता है तो हमलोग एक ही मकसद से, एक ही मोटिव से यहां आए हैं ताकि बिहार को हमलोग अव्वल राज्य बनाने का काम करें तो हम सब लोग मिलकर के नए संकल्प के साथ, नया बिहार बनाने का काम करें जहां बेरोजगारी, पलायन, गरीबीमुक्त बिहार बने, ऐसा प्रदेश बनाने का काम करें । महोदय, लेकिन आपसे विशेष तौर पर क्योंकि विपक्ष जो है अगर सरकार कोई गलती करे तो विपक्ष केवल आईना दिखाने के लिए होता है, हमलोगों का कोई व्यक्तिगत विद्रोह यहां नहीं है, दुश्मनी नहीं है, हमलोग केवल बिहार के हक, अधिकार के लिए यहां आए हैं इसलिए विशेष तौर पर थोड़ा ध्यान जो है सत्ता पक्ष से ज्यादा, थोड़ा यहां देने की जरूरत है ताकि सरकार को सही रास्ते पर हमलोग लेकर के चलें। आप चुने गए इसके लिए बेहद प्रसन्नता है और आप सब लोगों को जो नए सदस्य चुनकर के आए हैं उनको भी शुभकामनाएं हैं, माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश

कुमार जी को भी हमारी शुभकामनाएं हैं कि स्वस्थ रहें और बिहार को अच्छे से आगे लेकर के चलें, सदन के नेता हैं और यही उम्मीद है कि बिहार जो है आगे बढ़े । बहुत–बहुत धन्यवाद महोदय ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, श्री राजू तिवारी जी ।

श्री राजू तिवारी : अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं आपके निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने पर अपने एन0डी0ए0 घटक दल के सभी सदस्यों, अपनी पार्टी, लोक जनशक्ति पार्टी (रा0) और अपने नेता आदरणीय चिराग पासवान जी की तरफ से ढेर सारी शुभकामनाएं देता हूं ।

(क्रमशः)

टर्न–4 / मुकुल / 02.12.2025

(क्रमशः)

श्री राजू तिवारी : अध्यक्ष महोदय, जैसा कि अभी सदन में बताया गया कि आप जब 2015 में पहली बार, हम जीतकर आये थे उस समय हमलोग आपके नेतृत्व में, आप उस समय नेता प्रतिपक्ष थे तो निश्चित रूप से अभी यादें ताजा हुई हैं और आप लगातार नौवीं बार चुनकर आये हैं, आपका बहुत बड़ा अनुभव है और इसी में देखिए हमारे मुख्यमंत्री जी भी लगातार 10वीं बार इस सदन में मुख्यमंत्री चुने गये हैं इसलिए आपको बधाई और हमारे मुख्यमंत्री जी को भी बधाई और जिस तरह से हमलोग इस लोकतंत्र के मंदिर में आपके अनुभव का लाभ उठायेंगे, पूरे बिहार में हमलोग एक अच्छा मैसेज देंगे और सब तरह से आपका हमलोगों को आशीर्वाद मिलेगा, आपके अनुभव का लाभ मिलेगा और निश्चित रूप से यहां से एक बड़ा मैसेज बाहर जायेगा और जैसाकि सदन सर्वसम्मति से आपको अध्यक्ष के रूप में चुना है मैं पुनः आपको बधाई देता हूं और पूरे बिहारवासियों की तरफ से ढेर सारी शुभकामनाएं आपके अध्यक्ष चुने जाने पर, धन्यवाद ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, श्री मनोहर प्रसाद सिंह ।

श्री मनोहर प्रसाद सिंह : माननीय अध्यक्ष महोदय, आपको निर्विरोध बिहार विधान सभा का अध्यक्ष चुने जाने पर मैं अपनी पार्टी की तरफ से, जनता की तरफ से आपको बधाई और शुभकामनाएं देता हूं । महोदय, आपने लम्बी अवधि तक इस विधान सभा की सेवा की है और आपके अनुभव का निश्चित रूप से हम सबों को लाभ मिलेगा और आपकी निष्पक्षता और जो विनयशीलता है उसका भी हमें लाभ मिलेगा, चूंकि बहुमत का सम्मान होना चाहिए लेकिन अल्पमत को भी, जो जनता ने दायित्व दिया है उस दायित्व के निर्वहन के लिए आपका समर्थन और आपका आशीर्वाद चाहिए, बहत–बहुत धन्यवाद ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्या, श्रीमती दीपा कुमारी जी ।

श्रीमती दीपा कुमारी : अध्यक्ष महोदय, आज मुझे गर्व और हर्ष के साथ अनुभव हो रहा है कि हमारे बीच 1990 से लगातार नौवीं बार गयाजी शहर के माननीय विधायक बने डॉक्टर प्रेम कुमार जी को बिहार विधान सभा के अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं, डॉ0 प्रेम कुमार जी बिहार विधान सभा के अध्यक्ष चुने गये हैं, मैं उनको अपनी पार्टी, हम पार्टी, हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) की ओर से माननीय अध्यक्ष जी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देना चाहती हूं । महोदय, आप अपने सार्वजनिक जीवन में न केवल एक जनप्रतिनिधि के रूप में उत्कृष्ट कार्य किये हैं बल्कि बिहार सरकार में मंत्री पद पर सुशोभित रहते हुए भी आपने बिहार के विकास और जनकल्याण के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया है । आपका सहज, सरल, संयमित और संतुलित व्यक्तिव हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है । आपके अनुभव, योग्यता, लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति आपकी प्रतिबद्धता और निष्पक्ष नेतृत्व क्षमता पर पूर्ण विश्वास है कि आपकी अध्यक्षता में यह सदन और अधिक गरिमा, मर्यादा और अनुशासन के साथ संचालित होगा और साथ ही आपकी अनुमति, दिशा–निर्देश में यह सदन आपकी क्षमताओं के अनुरूप कार्य करेगा । अतः मैं पुनः अपनी पार्टी तथा इमामगंज विधान सभा क्षेत्र की ओर से आपका पुनः हार्दिक स्वागत करती हूं । आप दीर्घायु रहें, स्वस्थ रहें इसी तरह हमलोगों का मार्गदर्शन मिलता रहे और अपने कार्य के प्रति अपना योगदान देते रहें । आपका बहुत–बहुत धन्यवाद ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, अखतरूल ईमान जी ।

श्री अखतरूल ईमान : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं दिल की गहराइयों से आपको सर्वसम्मत स्पीकर चुने जाने पर अपनी पार्टी की ओर से, अपनी ओर से आपको मुबारकबाद देता हूं और आपकी इजाजत से मैं 10वीं बार मुख्यमंत्री बनने पर आदरणीय मुख्यमंत्री जी को भी मुबारकबाद देना चाहता हूं, मंत्रिमंडल के तमाम सदस्यों को और चुने गये तमाम सदस्यों को मुबारकबाद देता हूं । महोदय, आपका नाम प्रेम है, चेहरे पर मुस्कान और शांति हमलोगों ने देखी है । नौवीं बार आपका चुनकर आना यह खुद एक सर्टिफिकेट है कि आपने अपनी जनता के दरमियान में कितनी जगह बनाई है, आप इस वक्त हमारे अधिकारों के कस्टोडियन हैं, हमारे मार्गदर्शक हैं और इस वक्त आपके सामने में एक बड़ी चुनौती है, जब सत्तापक्ष और विपक्ष में करीब–करीब की दूरी होती है तो यकीनन है कि विपक्ष को बड़ी ताकत होती है लेकिन इस वक्त विपक्ष बहुत कमजोर है और सत्ता की गिनती बहुत अधिक है, कहीं ऐसा न हो कि ताकत की वजह से बिहार के लोगों का नुकसान हो जाय । मैं माननीय मुख्यमंत्री से भी उम्मीद रखता, लेकिन आपसे दो शब्द कहूंगा, इस वक्त मुझे आपसे बात करते हुए महान कथाकार प्रेमचंद की कहानी, पंचायत जिसे उर्दू में कहते हैं और हिंदी में

जिसे पंच परमेश्वर कहा गया है । जब आदमी पंच की कुर्सी पर बैठता है तो फिर अपने और बेगाने को नहीं देखता वह इंसाफ को देखता है । आज समाज हमारा बिगड़ा है, हमने भौतिक तौर पर बड़ी तरक्की की है लेकिन नैतिकता का पतन हुआ है, नैतिकता के पतन की असल वजह यह नहीं है कि लोग पक्षधर हो गये हैं बुराइयों के, बल्कि सबसे बड़ी खराबी हो गयी है कि लोग निष्पक्ष हो गये हैं। जिस निष्पक्षता को लोग अच्छा काम समझते हैं वह अच्छा नहीं है, समाज में तीन तरह के लोग होते हैं पक्षधर होते हैं, निष्पक्ष होते हैं, निष्पक्ष बड़े कायर होते हैं, समाज तभी सुधरेगा जब आदमी सत्य का पक्षधर हो जायें और हम आपसे आशा करते हैं कि आप सत्य के पक्षधर होंगे, आपको पूरा 13 करोड़ का बिहार देख रहा है कि बिहार को एक नई दिशा और दशा देने में आपका बड़ा रौल होगा । हम उम्मीद करते हैं शक्ति भी, सुख भी, शांति भी भक्तों के गीत में हैं, इस देश के वासियों की मुक्ति प्रीत में है, बहुत–बहुत धन्यवाद ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्या, स्नेहलता जी ।

श्रीमती स्नेहलता : माननीय अध्यक्ष महोदय जी, पूरे एन0डी0ए0 की तरफ से खासकर राष्ट्रीय लोक मोर्चा की तरफ से आपको बहुत–बहुत धन्यवाद, आशा करती हूं कि आपका सहयोग और आशीर्वाद हमलोगों को मिलता रहे, पक्ष और विपक्ष के प्रति आपका एक ही रूप हो, सभी का सहयोग आपके प्रति बना रहे, यही आशा करती हूं । बहुत–बहुत धन्यवाद ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, श्री अरूण सिंह जी ।

श्री अरूण सिंह : माननीय अध्यक्ष महोदय, आपको सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद के निर्वाचन के लिए मैं आपनी पार्टी भाकपा–माले की तरफ से आपको बधाई देता हूं और यह उम्मीद करता हूं कि पक्ष और विपक्ष के मर्यादा को ध्यान में रखते हुए विपक्ष की उम्मीदों को भी आप अपने माध्यम से तरजीह देंगे । इन्हीं शब्दों के साथ आपका बहुत–बहुत धन्यवाद ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, श्री अजय कुमार जी ।

श्री अजय कुमार : माननीय नवनिर्वाचित अध्यक्ष महोदय और आपको मैं सबसे पहले बधाई देता हूं, शुभकामनाएं देता हूं और सदन में सबसे ऊंची कुर्सी आपकी है और पक्ष और विपक्ष के बीच में आपकी कुर्सी है तो स्वाभाविक है कि आपको फैसले लेने होंगे और पांच साल का जो मेरा अनुभव है, ऐसे दौर आये हैं जब जनता की आवाज सदन में रखी जाती है तो आपके संरक्षण की जरूरत होती है और उस वक्त आपको निर्णय लेने में जब बहुत कठिन होता है, चूंकि सत्तापक्ष का दबाव होता है और विपक्ष का भी दबाव होता है, इस आवाज को रखने दिया जाय । मैं उम्मीद करता हूं कि आप निश्चित तौर पर उस कठिन दौर में आप संरक्षण देंगे और जनता की आवाज सदन

में लाकर के ताकि उस पर कुछ काम हो, जनता को निजात मिले यह फैसला करेंगे, इन्हीं शब्दों के साथ आपको फिर से बधाई देते हुए, आपको शुभकामना देते हुए मैं आपनी बात को समाप्त करता हूं ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री सतीश कुमार सिंह यादव जी ।

(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

टर्न–5 / सुरज / 02.12.2025

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, श्री इन्द्रजीत प्रसाद गुप्ता जी ।

श्री इन्द्रजीत प्रसाद गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, एक बार पुनः हमारे विधान सभा क्षेत्र सहरसा के लोगों की तरफ से, मैं अपनी तरफ से, अपनी पार्टी इंडियन इंक्लूसिव पार्टी की तरफ से आपको हार्दिक शुभकामनाएं पेश करता हूं और मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि सरकार के अच्छे कामों के साथ हम विपक्ष खड़े होंगे, उनके अच्छे कामों के लिये हम तालियां भी बजायेंगे । हमारी संख्या जरूर कम है लेकिन बिहार के मुद्दे बहुत बड़े हैं और उन बड़े मुद्दों को उठाने के लिये मुझे उम्मीद है कि आप विपक्ष की मदद करेंगे, हमें समय देंगे और पूरे सदन को आपसे उम्मीद है कि पक्ष–विपक्ष को साथ लेकर चलेंगे । एक बार पुनः आपका बहुत–बहुत धन्यवाद ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, श्री कुमार सर्वजीत ।

श्री कुमार सर्वजीत : आज वह महान धरती, भगवान बुद्ध की धरती, भगवान विष्णु की पवित्र धरती से जहां आपका जन्म हुआ अध्यक्ष महोदय । आज बिहार का एक सबसे लोकतंत्र के महापर्व के सबसे ऊंचे ओहदे पर आप विराजमान हुये हैं । हम मगध प्रमंडल और तमाम गयाजी के सभी जाति–धर्मों की ओर से आपको ह्रदय से बधाई देता हूं । चूंकि हमलोगों ने 1990 से आपकी राजनीति के अनुभव को देखा है । आप मुदृभाषी, शांत स्वभाव के व्यक्ति हैं । हमलोगों को काफी खास करके जो गयाजी जिला है, जो पूरी दुनिया पवित्र धरती के रूप मे जानती है, आप उस धरती से आते हैं । बहुत उम्मीद भी है सदन के साथ–साथ उस पवित्र धरती की लोगों की आशाएं भी आपसे जुड़ी रहती है । हम पूरे भरोसे और आशा के साथ यह जरूर आग्रह करेंगे कि आप जिस कुर्सी पर बैठे हैं वह एक पवित्र कुर्सी है और पक्ष और विपक्ष दोनों के लिये वह कुर्सी बनी है । हम आशा करते हैं कि जितना सम्मान पक्ष को मिलेगा उतना ही सम्मान विपक्ष को मिलेगा । इसी आशा के साथ हम आपको पुनः गयाजी की ओर से, गयाजी की तमाम जाति–धर्म और गयाजी की आम जनता की तरफ से आपको बहुत शुक्रिया अदा करते हैं, बहुत धन्यवाद देते हैं ।

<u>माननीय अध्यक्ष महोदय का प्रारंभिक संबोधन</u>

अध्यक्ष : ''कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन श्रीमदभगवत गीता''

माननीय सदस्यगण, मैं आप सभी को ह्रदय से धन्यवाद करता हूं । आपने सर्वसम्मति से मुझे इस महान संस्था और लोकतंत्र के मंदिर का अध्यक्ष चुना । यह केवल मेरे प्रति विश्वास ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक परंपराओं, संसदीय शिष्टाचार के प्रति आपकी सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है ।

18वीं बिहार विधान सभा का गठन ऐसे समय में हुआ है जब हमारा राज्य विकासात्मक आकांक्षाओं के एक नए अध्याय में प्रवेश कर रहा है । जनता ने ऐतिहासिक जनमत देकर यह स्पष्ट संदेश दिया है कि वे संवाद, समाधान, सहयोग और विकास की राजनीति को प्राथमिकता देती है ।

अध्यक्ष के रूप में मेरा प्रथम कर्त्तव्य होगा कि मैं सदन की परंपराओं के संरक्षण के साथ–साथ संविधान एवं सदन के संचालन संबंधी नियमों का पालन करते हुए, प्रत्येक माननीय सदस्य को उसके अधिकार और सम्मान के साथ अपने विचार रखने का अवसर दूं । मुझे विश्वास है कि इस सदन में वाद–विवाद का फलाफल बिहार के भविष्य को अधिक उज्जवल बनाने में सहायक सिद्ध होगा । राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था– भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम आज क्या करते हैं ।

सर्वसम्मति से चुना जाना मेरे लिए गौरव का विषय है, परंतु इससे कहीं अधिक यह उत्तरदायित्व का संकेत है । लोकतंत्र की सुंदरता इसी में है कि विविध विचारधाराएं एक ही टेबल पर बैठकर राज्य के विकास हेतु सार्थक चर्चा करे । जनता की यह इच्छा है कि बिहार तेजी से विकसित हो, विकसित बिहार बने, पारदर्शी ढंग से संचालित हो और विधायिका का प्रत्येक निर्णय जनता के जीवन को सहज, सुरक्षित और समृद्ध बनाए ।

हम सब पर यह उत्तरदायित्व है कि इस विश्वास को हम अपनी निष्ठा, विनम्रता एवं प्रतिबद्धता के साथ निभाएं क्योंकि लोकतंत्र की शक्ति उसके जनप्रतिनिधियों की संवेदनशीलता और सदन की मर्यादा में निहित होती है । इसलिए आवश्यकता है कि हम विचारों की विविधता के बीच संवाद के पुल बनाएं और असहमति को भी सम्मान देते हुए नीतियों की दिशा तय करें और विकास की गंगा बहाएं ।

माननीय सदस्यगण, आज का यह क्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है । नई विधान सभा नई ऊर्जा और नए संकल्पों के साथ आरंभ हो रही है । परंपराएं हमें गरिमा

देती है और नवाचार हमें दिशा देती है । आवश्यक यह है कि दोनों के बीच संतुलन बनाते हुए हम ऐसा कार्यकाल रचें जो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बने । जहां तक विचारों के टकराव का प्रश्न है तो यह स्वाभाविक है, परंतु मन का और तन का संघर्ष कभी नहीं होना चाहिए । यह हम सबका सौभाग्य है कि हमें जनता की सेवा का अवसर मिला है और मैं गयाजी से लगातार 9वीं बार गयाजी के भाईयों और बहनों का आर्शीवाद मिला है । गयाजी के भाइयों और बहनों को भी मैं अपनी ओर से और समस्त बिहारवासियों के प्रति नमन करता हूं, आभार व्यक्त करता हूं ।

मैं आश्वस्त करता हूं कि अध्यक्ष के आसन पर रहते हुए मेरे लिए सरकार और विपक्ष दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण होंगे । हमारा उद्देश्य एक ही है– बिहार की जनता की प्रगति और उनकी आकांक्षाओं की पूर्ति ।

मैं सदन के वरिष्ठ सदस्यों से मार्गदर्शन, अनुभवी सदस्यों से सहयोग तथा पहली बार निर्वाचित सदस्यों से ऊर्जा और नवीन दृष्टि की अपेक्षा करता हूं ।

सदन के संचालन में मैं आधुनिक संसदीय प्रथाओं, डिजीटल विधायी प्रक्रियाओं और ई–गवर्नेंस आधारित सुधारों को आगे बढ़ाने का प्रयास करूंगा । मैं पूर्व अध्यक्ष जी का आभारी हूं कि उनके प्रयास से यह सदन डिजीटल विधायी संस्था के रूप में विकसित हो पाया है ं

यह समय है कि बिहार विधान सभा स्मार्ट लेजिस्लेटिव गवर्नेंस का मॉडल बने ।

माननीय सदस्यगण, पिछली विधान सभा के भंग होते ही उपाध्यक्ष का पद भी रिक्त हो गया है और उपाध्यक्ष के रहने से विधान सभा के कार्य संचालन में सहूलियत होती है । अतः मैं उपाध्यक्ष के निर्वाचन की तिथि 04.12.2025 को नियत करता हूं । इसके लिए कल 12 बजे दिन तक नामांकन प्रस्ताव की सूचना दी जा सकती है ।

अंत में, मैं पुनः इस सदन के प्रत्येक सदस्य को कहना चाहता हूं कि अध्यक्ष के रूप में, मैं पूर्ण निष्पक्षता, अनुशासन, मर्यादा और संवाद की प्रकृति एवं संस्कृति को बनाए रखते हुए कार्य करूंगा । मैं इस अवसर पर सभी सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं । आप सबके विचार और दृष्टिकोण इस सदन को अवश्य समृद्ध करेंगे । स्वामी विवेकानंद ने कहा था– केवल वे ही जीवित रहते हैं, जो दूसरों के लिए जीते हैं ।

आइए, हम सब मिलकर इस कार्यकाल को जनहितकारी नीतियों और लोकतांत्रिक व्यवहार का एक स्वर्णिम अध्याय बनाएं ।

''हम पड़ाव को समझे मंजिल,

लक्ष्य हुआ आंखों से ओझल,
वर्तमान के मोहजाल में, आने वाला कल न भूलाएं,
आयें फिर से दिया जलाएं ।''

आज सभी को एक बार पुनः धन्यवाद । जय बिहार । जय भारत ।

अब सभा की बैठक बुधवार, दिनांक 03 दिसंबर, 2025 को 11.00 बजे पूर्वाह्न तक के लिये स्थगित की जाती है ।